भारत सरकार

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा पुनरुद्धार मंत्रालय

राज्‍य सभा

अतारांकित प्रश्‍न संख्‍या 2122

जिसका उत्‍तर 28 जुलाई, 2014 को दिया जाना है ।

**.....**

**गिरता भू जल स्‍तर**

**2122. श्री अनिल माधव दवे :**

क्‍या **जल संसाधन, नदी विकास और गंगा पुनरुद्धार** **मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

1. क्‍या यह सच है कि देश भर में जल स्‍तर नीचे गिरा है ;

(ख) तत्‍संबंधी राज्‍य-वार अद्यतन आंकड़ा क्‍या है;

(ग) सरकार भू-जल को संरक्षित करने हेतु किन कदमों को कार्यान्वित करने की योजना बना रही है; और

(घ) क्‍या सरकार देश भर में भू-स्‍वामियों द्वारा अपनी भूमि पर बोरवेल से पानी निकाले जाने के संबंध में कुछ कानूनी विनियमन लाने की मंशा रखती है ?

**उत्‍तर**

**जल संसाधन, नदी विकास और गंगा पुनरुद्धार राज्‍य** **मंत्री, संसदीय कार्य राज्‍य मंत्री और कपड़ा मंत्री (स्‍वतंत्र प्रभार) (श्री संतोष कुमार गंगवार)**

(क) और (ख) जनसंख्‍या में वृद्धि, औद्योगिकीकरण और सिंचाई के लिए जल की आवश्‍यकता बढ़ने के कारण लगातार भूमि जल का दोहन हो रहा है, जिसके फलस्‍वरूप देश के विभिन्‍न भागों में भूमि जल स्‍तर घट रहा है। 2013 के मानसून से पहले भूमि जल आंकड़ों (सीजीडब्‍ल्‍यूबी द्वारा की गई निगरानी के अनुसार) की मॉनसून पूर्व (2003-2012) के दशक के आंकड़ों के औसत से तुलना करने पर पता चलता है कि 56% कुओं में भूमि जल स्‍तर गिरा है। तथापि, 44% कुओं में भूमि जल स्‍तर में बढ़ोतरी देखी गयी है। राज्‍य/केन्‍द्र शासित प्रदेश-वार ब्‍यौरा **अनुलग्‍नक** में दिया गया है।

(ग) केन्‍द्रीय भूमि जल बोर्ड (सीजीडब्‍ल्‍यूबी) ने वर्ष 2013 के दौरान ‘’भारत में भूजल के लिए कृत्रिम पुनर्भरण का मास्‍टर प्‍लान’’ शीर्षक से एक अवधारणात्‍मक दस्‍तावेज तैयार किया है जिसमें भूजल संसाधनों को बढ़ाने के लिए अधिशेष मानसून अपवाह को कम करके देश के 9,41,541 वर्ग कि.मी. क्षेत्र में विभिन्‍न प्रकार के कृत्रिम पुनर्भरण और वर्षा जल संचयन ढांचों के निर्माण की परिकल्‍पना है। इसके अतिरिक्‍त, राष्‍ट्रीय जल नीति, 2012 जो समुचित कार्रवाई के लिए सभी राज्‍य सरकारों/केन्‍द्र शासित प्रदेशों और भारत सरकार के संबंधित मंत्रालयों /विभागों को भेजी गयी है, में भी वर्षा जल के प्रत्‍यक्ष उपयोग द्वारा जल उपलब्‍धता को बढ़ाने की आवश्‍यकता का उल्‍लेख है। संबंधित राज्‍य सरकारें जल संरक्षण और जल पुनर्भरण के लिए प्रयास कर रही हैं जिनमें अन्‍य बातों के साथ-साथ जलाशयों और पारम्‍परिक जल निकायों में जल संसाधनों का संरक्षण, वर्षा जल संचयन और भूमि जल का कृत्रिम पुनर्भरण शामिल है। इसके लिए केन्‍द्र सरकार विभिन्‍न स्‍कीमों और कार्यक्रमों के माध्‍यम से राज्‍य सरकारों को तकनीकी और वित्तीय सहायता देती है। अन्‍य बातों के साथ-साथ जल संसाधन संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए राष्‍ट्रीय जल मिशन भी स्‍थापित किया गया है। इन स्‍कीमों के लिए पर्याप्‍त निधि सुनिश्चित करने हेतु जल संसाधन मंत्रालय के लिए XII वीं योजना के दौरान 109553 करोड़ रूपए की राशि निर्धारित की गयी है।

(घ) जल संसाधन मंत्रालय ने भूमि जल के विकास एवं प्रबंधन को विनियमित एवं नियंत्रित करने के विषय में सभी राज्‍यों/केन्‍द्र शासित प्रदेशों को मॉडल विधेयक परिचालित किया है। अभी तक तेरह (13) राज्‍यों/केन्‍द्र शासित प्रदेशों नामत: आंध्र प्रदेश (अविभाजित), गोवा, लक्षद्वीप, केरल, पुदुच्‍चेरी, पश्चिम बंगाल, हिमाचल प्रदेश, बिहार, चण्‍डीगढ़, जम्‍मू एवं कश्‍मीर, कर्णाटक, असम और दादरा एवं नगर हवेली ने मॉडल विधेयक के अनुरूप विधान बना लिया है। महाराष्‍ट्र में विधान सभा ने महाराष्‍ट्र भूमि जल (विकास एवं प्रबंधन) अधिनियम, 2009 पारित किया है।

**अनुलग्‍नक**

**‘गिरते भूजल स्‍तर‘’ के विषय में राज्‍य सभा में दिनांक 28.7.2014 को उत्तर दिए जाने वाले अतारांकित प्रश्‍न सं. 2122 के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्‍नक**

**औसत मॉनसून पूर्व (2003 से 2012) तथा मॉनसून पूर्व 2013 के साथ जल स्‍तर के उतार-चढ़ाव की दशकीय राज्‍यवार तुलना**

| **क्र.सं.**  | **राज्‍य/संघ राज्‍य क्षेत्र का नाम**  | **अन्‍वेषित कुंओं की संख्‍या**  | **वृद्धि** | **गिरावट**  |
| --- | --- | --- | --- | --- |
| **सं.** | **%** | **सं.**  | **%** |
| 1 | आंध्र प्रदेश (अविभाजित)  | 729 | 349 | 47.87 | 380 | 52.13 |
| 2 | अरुणाचल प्रदेश  | 3 | 2 | 66.67 | 1 | 33.33 |
| 3 | असम  | 195 | 105 | 54.12 | 89 | 45.88 |
| 4 | बिहार  | 181 | 88 | 48.62 | 93 | 51.38 |
| 5 | चंडीगढ़  | 16 | 7 | 43.75 | 9 | 56.25 |
| 6 | छत्तीसगढ़  | 404 | 223 | 55.33 | 180 | 44.67 |
| 7 | दादर और नगर ​​हवेली  | 5 | 4 | 80.00 | 1 | 20.00 |
| 8 | दिल्ली  | 124 | 47 | 37.90 | 77 | 62.10 |
| 9 | गोवा  | 43 | 19 | 44.19 | 24 | 55.81 |
| 10 | गुजरात  | 702 | 311 | 44.49 | 388 | 55.51 |
| 11 | हरियाणा  | 312 | 107 | 34.41 | 204 | 65.59 |
| 12 | हिमाचल प्रदेश  | 68 | 34 | 50.00 | 34 | 50.00 |
| 13 | जम्मू एवं कश्मीर  | 131 | 82 | 62.60 | 49 | 37.40 |
| 14 | झारखंड  | 172 | 90 | 52.33 | 82 | 47.67 |
| 15 | कर्नाटक  | 827 | 240 | 30.46 | 548 | 69.54 |
| 16 | केरल  | 604 | 172 | 28.52 | 431 | 71.48 |
| 17 | मध्य प्रदेश  | 944 | 544 | 58.00 | 394 | 42.00 |
| 18 | महाराष्ट्र  | 848 | 421 | 49.65 | 427 | 50.35 |
| 19 | मणिपुर  | 1 | 1 | 100.0 | 0 | 0.00 |
| 20 | मेघालय  | 27 | 9 | 33.33 | 18 | 66.67 |
| 21 | नागालैंड  | 12 | 6 | 50.00 | 6 | 50.00 |
| 22 | ओडिशा  | 743 | 329 | 44.28 | 414 | 55.72 |
| 23 | पुडुचेरी  | 7 | 4 | 57.14 | 3 | 42.86 |
| 24 | पंजाब  | 211 | 57 | 27.14 | 153 | 72.86 |
| 25 | राजस्थान  | 846 | 428 | 51.63 | 401 | 48.37 |
| 26 | तमिलनाडु  | 457 | 108 | 23.63 | 349 | 76.37 |
| 27 | त्रिपुरा  | 28 | 13 | 46.43 | 15 | 53.57 |
| 28 | उत्तर प्रदेश  | 777 | 360 | 46.33 | 417 | 53.67 |
| 29 | उत्तराखंड  | 47 | 22 | 46.81 | 25 | 53.19 |
| 30 | पश्चिम बंगाल  | 755 | 268 | 35.50 | 487 | 64.50 |
|   | कुल | 10219 | 4450 | 43.85 | 5699 | 56.15 |

टिप्‍पणी: विश्‍लेषण किए गए 70 कुओं में कोई परिवर्तन नहीं है।

\*\*\*